

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: आज़ादी का संघर्ष पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-9अ/1 विषय वस्तु- * दो पृष्ठभूमियाँ - भारतीय और अंग्रेज़ी उपविषय वस्तु :- अ) चुनौतियाँ आ) भारतीय स्वतंत्रता सेनानी इ) सृजनात्मकता पाठ्येतर विषय वस्तु * सूची निर्माण * संवाद लेखन * कविता लेखन	विद्यार्थी :- अ) आज़ादी प्राप्ति से पूर्व बाद में आने वाली चुनौतियों का अनुमान लगा सकेंगे । आ) भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे । इ) संवाद कला को सीख पाएँगे ।	विद्यार्थी :- अ) अपनी कल्पना के आधार पर चुनौतियों तथा उनके समाधान को सूचीबद्ध कर सकेंगे आ) भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के कार्यों से प्रभावित हो उन पर आधारित कविता लेखन कर कक्षा में प्रस्तुत कर सकेंगे । इ) 1. संवाद लेखन एवं उसके वाचन की विधा से परिचित हो 'भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और अंग्रेज़ी शासक' के मध्य काल्पनिक संवाद लिख सकेंगे, जिससे वे अपने भीतर सृजनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास कर सकेंगे तथा उनके शुद्ध एवं प्रभावोत्पादक लेखन-वाचन के स्तर में वृद्धि होगी । इ) 2. संवाद लिखने में सहायक मुख्य चार बार्ते बता सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- 'भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और अंग्रेज़ी शासक' के मध्य काल्पनिक संवाद की प्रस्तुति ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-9अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-9अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-9अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-9अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-9आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-9आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-9आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-9आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

विद्यालय परिसर :- विद्यालय भवन की दीवार पर लगी किसी देशभक्त की तस्वीर को देखकर देश भक्त पर काव्य रचना कर प्रस्तुत कर सकेंगे ।

अन्तःविषय संबंध :- सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान,इतिहास ।

पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -9अ/1

प्रश्न.1- आज़ादी प्राप्ति के लिए भारतवासियों को क्या-क्या संघर्ष करना पड़ा ?

संभावित उत्तर-, अंग्रेजों का रोष,अपमान, गरीबी की मार ।

प्रश्न.2- आज़ाद भारत के सामने किन-किन चुनौतियों की कल्पना की जा रही थी ?

संभावित उत्तर- गरीबी को हटाना , अंग्रेजों द्वारा अंदर ही अंदर खोखले किए भारत को सुदृढ़ बनाने की चुनौती ।

कथन:- आइये प्रस्तुत पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव रखने के बाद भारत कैसा उथल-पुथल हुआ और किन चुनौतियों के सामने होने के भय तथा कितनी ही अन्य चुनौतियों को पार करके भारत आज़ादी का द्वार खोल सका ।

काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -9अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर छात्राओं को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -9अ/3

• अध्यापिका के निर्देशानुसार:-

1. संवाद-लेखन हेतु सभी विद्यार्थी दो-दो विद्यार्थियों के समूह बनाएंगे ।
 2. यह काल्पनिक संवाद 'भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और अंग्रेजी शासक' के मध्य होगा ।
 3. भाषा सरल, व्यवहारिक एवं प्रभावशाली होनी चाहिए लेकिन ध्यान रहे भाषा विषय एवं पात्रों के अनुकूल भी हो ।
 4. दोनों पात्रों के कम से कम पाँच-पाँच संवाद अवश्य हों ।
 5. प्रत्येक समूह बारी-बारी से अपने लिखित संवाद का वाचन कक्षा में प्रस्तुत भी करेगा ।
 6. अध्यापिका के निर्देशानुसार प्रत्येक समूह संवाद लिखकर मौखिक रूप से कक्षा में प्रस्तुत करेगा ।
- अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर उनकी संवाद-प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -9अ/4

पाठ : दो पृष्ठभूमियाँ - भारतीय और अंग्रेज़ी
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : जब श्रवण कीजो, तब कलम भीजो
अनुक्रमांक :

अच्छा संवाद लिखने के लिए कोई चार महत्वपूर्ण बातें :

